

कपिंजल पुं. (तत्.) 1. चातक, पपीहा 2. गौरा पक्षी 3. तीतर 4. एक मुनि का नाम। वि. पीले रंग का।

कपि पुं. (तत्.) 1. बंदर 2. हाथी 3. करंज 4. सूर्य।

कपिल पुं. (तत्.) 1. महादेव 2. सूर्य 3. विष्णु 4. सांख्यशास्त्र के प्रवर्तक मुनि 5. पुराण के अनुसार एक मुनि जिन्होंने सगर के पुत्रों को भस्म किया था 6. अग्नि 7. कुत्ता 8. चूहा वि. (तत्.) भूरा, मटमैला।

कपिलवस्तु पुं. (तत्.) गौतम बुद्ध का जन्मस्थान जो नेपाल की तराई में है।

कपिश पुं. (तत्.) काले और पीले रंगों का मिश्रण, मटमैला, पीला भूरा, लाल भूरा, बादामी।

कपूत पुं. (तद्.) वह पुत्र जो कुलधर्म के विरुद्ध आचरण करे, बुरा लडका।

कपूर पुं. (तद्.) एक सफेद रंग का जमा हुआ सुगंधित द्रव्य जो वायु में उड़ जाता है और जलाने से जलता है वि. (तत्.) सुगंधित।

कपोत पुं. (तत्.) 1. कबूतर, परेवा 2. पक्षी मात्र।

कपोतवृत्ति स्त्री. (तत्.) रोज कमाना रोज खाना।

कपोतव्रत पुं. (तत्.) चुपचाप दूसरे के अत्याचारों को सहना। कबूतर कष्ट के समय नहीं बोलता।

कपोती पुं. (तत्.) कपोत के रंग का, खाकी स्त्री. (तत्.) 1. कबूतरी 2. पेड़ुकी।

कपोल पुं. (तत्.) गाल।

कपोलकल्पित वि. (तत्.) बनावटी, मनगढ़ंत, गप्प।

कप्तान पुं. (अं.) कैप्टन 1. जहाज या सेना का एक अफसर, दल का नायक।

कफ पुं. (अं.) कमीज या कुर्ते की आस्तीन के आगे की वह दोहरी पट्टी जिसमें बटन लगाते हैं cuff

कफ पुं. (तत्.) 1. वह गाढ़ी लसीली वस्तु जो खाँसने पर मुँह से बाहर आती है cough 2. वैद्यक के अनुसार शरीर के भीतर की एक धातु।

कफन पुं. (अर.) वह कपड़ा जिसमें लपेट कर मुर्दा गाड़ा या फूँका जाता है। मुहा. कफन को कौड़ी न देना- अत्यन्त दरिद्र, अत्यंत त्यागी होना, कफन फाड़कर उठना- मुर्दे का उठना, कफन सिर से बाँधना- मरने को तैयार होना, जान जोखिम में डालना।

कफन दफन पुं. (अर.) अंत्येष्टि।

कबंध पुं. (तत्.) 1. पीपी 2. बादल 3. पेट 4. जल 5. बिना सिर के धड़ 6. एक दानव 7. राहु।

कब अव्य. (तद्.) 1. किस समय 2. कदापि नहीं।

कबड्डी स्त्री. (देश.) लडकों के एक खेल का नाम। मुहा. कबड्डी खेलना-कूदना। कबड्डी खेलते फिरना-बेकाम घूमना।

कबरा वि. (तद्.) सफेद रंग पर काले, लाल आदि के धब्बेवाला, चिलता, कल्माष, चितकबरा।

कबा पुं. (अर.) एक प्रकार का पहनावा जो घुटनों के नीचे तक लंबा और कुछ कुछ ढीला होता है। प्रायः आगे से खुला होता है।

कबाड़ पुं. (तद्.) 1. रद्दी चीज, तुच्छ वस्तु 2. अंड बंड काम 3. अनुपयोगी 4. पूरी तरह इस्तेमाल किया हुआ 5. बेकार।

कबाड़खाना पुं. (तद्.+फ़ा.) वह स्थान जहाँ बहुत सी टूटी-फूटी वस्तुएँ अव्यस्थित रूप में पड़ी हो।

कबाड़ा पुं. (देश.) व्यर्थ की बात, झंझट मुहा. कबाड़ा करना- किसी काम को बिगाड़ देना।

कबाड़िया पुं. (देश.) 1. रद्दी बेचनेवाला, टूटा फूटा सामान खरीदने और बेचने वाला, कबाड़ी।

कबाब पुं. (अर.) सीखों पर भुना हुआ माँस मुहा. जलभुन कर कबाब होना- क्रोध से जलना।

कबाबचीनी पुं. (फा.) 1. मिर्च की जाति की एक लिपटनेवाली झाड़ी जो सुमात्रा जावा आदि टापुओं में होती है, शीतलचीनी।

कबायली वि. (अर.कबीलो फा.काबुल) कबीलों या फिरकों में रहने वाले।